

tetsuccesskey.blogspot.com

विलोम शब्द

विपरीत अर्थ देने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं, तत्सम शब्द का विलोम तत्सम, तद्भि का विलोम तद्भि, देशज का विलोम देशज शब्द, विदेशी शब्द का विलोम विदेशी शब्द होगा-

- s अघ - अनघ
- s आयात - ननयाथत
- s अभभङ्ग - अनभभङ्ग
- s अर्थ - अनर्थ
- s अिनन - अम्बर
- s अमर - मत्यथ
- s अपकार - उपकार
- s अधम - उत्तम
- s अपेक्षा - उपेक्षा
- s अनाहूत - आहूत
- s अग्र - पश्च
- s अल्प - अनत
- s अनुरूप - प्रनतरूप
- s अंधकार - प्रकाश
- s ज्योनत - तम
- s अनुयायी - विरोधी
- s अनुरक्त - विरक्त
- s अनुक्रिया - प्रनतक्रिया
- s अग्रज - अनुज
- s अपेक्षक्षत - अनपेक्षक्षत
- s घोष - अघोष
- s अितल - उतल

- s अर् - इनत
- s अिरोध - अनिरोध
- s अिशेष - ननिःशेष
- s ऐक्य - अनैक्य
- s अिननत - उन्ननत
- s अंगीकार - असंीकार
- s अनतिृष्टि- अल्पृष्टि/अनांृष्टि
- s अिाथचीन - प्राचीन
- s अज्ञ - विज्ञ
- s अल्पज्ञ - बहुज्ञ
- s अनुराग - विराग
- s अनुलोम - प्रनतलोम
- s अनुनाभसक- ननरनुनाभसक
- s अधधकार - अनधधकार
- s असीम - ससीम
- s अपथण - ग्रहण
- s अिर - प्रिर
- s अपराधी - ननरपराधी
- s ऐच्छिक/िकल्पक - अननियथ
- s अनतधर् - आनतरैय
- s अधुनातन- पुरातन
- s असीकरण- ननरसीकरण
- s अभभयुक्त- अभभयोगी
- s अधधकृत - अनाधधकृत
- s अन्त - आदद
- s अतल - वितल
- s आग्रह - दुराग्रह
- s आाम - प्रिस

- s आकाश - पाताल
- s आगत -अनागत/विगत
- s आकषथण - विकषथण
- s आषथ - अनाषथ
- s आिश्यक- अनािश्यक
- s आडंबर - सादगी
- s आलमी -कमथठ/महनती
- s अित - अनाित
- s आछिददत- अनाछिददत
- s आतुर - अनातुर
- s आनंद - विषाद/शोक
- s आर्द्ध - शुटक
- s आकांक्षा - अनाकांक्षा
- s आधुननक- प्राचीन
- s आविभाथि- नतरोभाि(लोप)
- s आविभूथत - नतरोभूत
- s आभमष - ननराभमष
- s आत्मननभथर-परजीी/अनुजीी
- s आगमन - ननगथमन
- s आशीिाथद- अभभशाप
- s अनुग्रह - विग्रह
- s इहलोक - परलोक
- s इटि - अननटि
- s ईश्रि - अनीश्रि
- s उपचार - अपचार
- s उपसगथ -परसगथ/अपसगथ
- s उत्कृटि - ननकृटि
- s उपयुक्त - अनुपयुक्त

- s कृपा - कोप
- s कृश - पुटि
- s कुख्यात - विख्यात
- s खंाडन - मंडन
- s खगोल - भूगोल
- s खास - आम
- s खचथ - आमदनी
- s खुशबु - बदबू
- s गगन - पृथ्वी
- s गहरा - उर्ला
- s गरल - सुधा
- s गररमा - लनघमा
- s ग्रस्त - मुक्त
- s गाढ़ा - पतला
- s गौरि - लाघि
- s गत - आगत
- s गृहस् - संन्यासी
- s गुप्त - प्रकि
- s गुरु - लघु
- s गौण - प्रमुख/प्रधान
- s ग्राम्य - नागर
- s ज्ञेय - अज्ञेय
- s घात - प्रनतघात
- s िती - ननटिल
- s धचंनतत - ननश्चंत
- s चेतना - अचेतना
- s चेतना - मूिथ
- s धचकना - खुरदरा

- s जंगली - पालतू
- s जड़ - चेतन
- s जन्म - मृत्यु
- s जागरण - ननर्द्ा
- s जाग्रत - सुप्त
- s ज्येष्ठ - लघु
- s ज्िार - भािा
- s जदिल - सरल
- s जात - अजात
- s आलस्य - उद्यम
- s आलोक - अंधकार
- s अिनन - अम्बर
- s अमर - मत्यथ
- s चपल/िाचल - गंभीर
- s गूढ़ - सरल
- s गुष्मिित - खुला हुआ
- s गण्य - नगण्य
- s जरा - यौिनि
- s षजजीविषा- मुमूषाथ
- s ज्योत्स्ना - अंधेरा
- s झीना - गाढ़ा
- s तरूण - िुद्ध
- s तेजसिी - ननस्तेज
- s तामभसक- साण्त्िक
- s ताजा - बारी
- s तुछि - महान
- s तुकांत - अतुकांत
- s र्ोक - खुदरा

- s दंड - पुरस्कार
- s दानी - कृषण
- s दया - ननमथमता
- s दुरुप्योग- सदुपयोग
- s दुटि - मर्द्
- s दुजथन - सज्जन
- s दररर्द् - धनी
- s ननधथन - संपन्न
- s दीधथ - हस्ि
- s दूवषत - स्िछि
- s मृदु - कठोर
- s मूक - िाचाल
- s मनुज - दनुज
- s मनुटयता - पशुता
- s भमत - अमीत
- s भमर्धया - सत्य
- s मोिा - पतला
- s भमतव्यय - अपव्यय
- s मूल्लियान - मूल्यहीन
- s मुसीबत - आराम
- s यष - अपयष
- s यर्ार्थ - आदषथ/कल्पत
- s योगी - भोगी
- s युद्ध - शान्त
- s योिनि - बुढ़ाया
- s रत - विरत
- s राग - द्धेष
- s रीता - भरा

- s रुदन - हास्य
- s रुग्ण - स्त्रि
- s बातूल - भमतभाषी
- s भूर - अल्प
- s बैर - प्रीनत
- s पुरालेख - निलेख
- s पंक्रकल - ननटपंक
- s पांषुल - अपांषुल
- s िैभि - पराभि
- s मौभलक - अनूददत
- s लघुता - प्रभुता
- s मुददत - खखन्न
- s भौनतक - आर्धयष्टमक
- s भभज्ञ - अनभभज्ञ
- s मुख - पृष्?
- s मुरझाााना- खखलना
- s याचक - दाता
- s राग - विराग
- s भलप्त - ननभलथप्त
- s िरदान - अभभषाप
- s रत - विरत
- s विधध - ननषध
- s विवषटि - सामान्य
- s विशेष - साधारण
- s िृष्टि - अनािृष्टि
- s िृद्धध - संक्षेप
- s िेदना - आनंद
- s वियोग - संयोग

- s विस्तृत - संक्षिप्त
- s विलक्षण- संतुल्य
- s विपुल - समाज
- s व्यक्त - समाज
- s व्यक्तगत- सामाजिक
- s ियक्तक- ननियक्तक
- s विपनत - संपनत
- s अज्ञ - विज्ञ
- s िय - विनिय
- s विकास - हयास
- s विसजथन - आहान
- s व्यष्टि - समष्टि
- s शीत - उटण
- s शुक्ल - कृटण
- s शेष - अषेष
- s शोषक - शोषत
- s श्री गणेश- इनत
- s श्िसम - उछििम
- s शलील - अटलील
- s श्रोता - िक्ता
- s सजीि - ननजीि
- s सरल -कठीन/कुदिल
- s सत्कार - ननरस्कार
- s सम्मुख - विमुख
- s सरस - नीरस
- s धृणा - सहानुभूत
- s समास - व्यास
- s संकल्प - विकल्प

- s संकीर्णथ - विस्तीर्णथ
- s संयोग - वियोग
- s संधिन - विधिन
- s संधध - विग्रह
- s संषय - ननटचय
- s संष्टलटि - विष्टलटि
- s सुलभ - दुलथभ
- s सजल - ननजथल
- s समष्टि - व्यष्टि
- s सविकार - ननविथकार
- s संयुक्त - वियुक्त
- s साभमष - ननराभमष
- s साक्षर - ननरक्षर
- s साधु - असाधु
- s स्मरण - विस्मरण
- s सदबुद्धध - दुबुद्धध
- s सुबोध - दुबोध
- s सुषील - दुटषील
- s सृजन - विनाष/संहार
- s सृष्टि - प्रलय
- s सुधा - गरल/विष
- s ष्मर - चंचल
- s संन्यासी - गृहस्थ
- s स्तुती - ननदा
- s सम्मुख - विमुख
- s सहद्य - हद्यहीन
- s सिणथ - विणिथ
- s ननिःसंग - संग

- s सुरीनत - कुरीनत
- s सुबोध - दुबोध
- s सुषील - दुःशील
- s राह - अराह
- s ग्राहय - अग्राहय
- s क्षर - अक्षर
- s आषा - दुराषा
- s दषा - दुदथषा
- s संदेह - ननस्संदेह
- s विद्ान - विदुषी
- s ननंद्य - िंद्य
- s बंध - मुक्त
- s उत्तम - अधम
- s हषथ - विषाद
- s हास - रुदन
- s हेय - ग्राहय
- s दहंसा - अदहंसा
- s क्षखणक - शाटित
- s क्षुर्द - विराि
- s क्षर - अक्षर
- s स्ामी - सेिक
- s हस्त - पाद
- s सनातनी - सुधारिदी
- s अनंत - अंत
- s अनागत - विगत
- s अर्धयाय - अनर्धयाय
- s अपथण - ग्रहण
- s अनुग्रह - विग्रह

- s अन्तरंग - बदहरंग
- s अत्यधक- स्लिप
- s आयोजन- ननयोजन
- s अस्ताचल- उदयाचल
- s आयात - ननयाथत
- s अित - अनाित
- s आग्रह - दुराग्रह
- s अितथक - अनाितथक
- s आदद - अंत
- s आकीणथ - विकीणथ
- s आधार - ननराधार
- s अंतदधिंदि- बदहधिंदि
- s आवषष् - अभभषाप
- s अभ्यस्त - अनभ्यस्त
- s अमास्त्रिया- पूखणथमा
- s औधचत्य - अनौधचत्य
- s अरुधच - सुरुधच
- s अपयष - यष
- s अवपथत - ग्रहीत
- s अनार् - सनार्
- s अजथन - िजथन
- s अल्पायु - दीधाथयु
- s आयथ - अनार्थ
- s आज्ञा - अज्ञा
- s आषीष - अज्ञा
- s आषीष - दुराषीष
- s उत्कृटि - ननकृटि
- s उत्तम - अधम

- s उद्घातिन- समापन
- s उद्धत - विनीत
- s उटण - शीत
- s ऐक्य - अनैक्य
- s एकाधधकार- सिथधधकार
- s ककथषा - सुषीला
- s कुलदीप - कुलकलंक
- s कुकृनत - सुकृनत
- s करुण - ननटठुर
- s कंकि - अकंकि
- s एकाग्र - चंचल
- s खल - सज्जन
- s ख्यात - कुख्यात
- s खीजना - रीझना
- s खाद्य - अखाद्य
- s खेद - प्रसन्नता
- s ग्राह्य - अग्राह्य
- s गम्य - अगम्य
- s ग्रहण - व्याग्र
- s घात - प्रनतघात
- s घृणा - प्रेम
- s घोष - अघोष
- s धचरायु - अल्पायु
- s धचर - अधचर
- s चल - अचल
- s चर - अचर
- s चंचल - ष्स्त्र
- s चेतन - अचेतन/जड.

- s चोर - साहूकार
- s जीनि - मृत्यु
- s जीवित - मृत
- s जीति - ब्रह्म
- s ज्योनत - तम
- s जेय - अजेय
- s िोिा - नि
- s डरपोक - ननडर
- s ठोस - तरल
- s तृटणा - वितृटणा
- s तृप्त - अतृप्त
- s नतभमर - प्रकाष
- s तीक्ष्ण - कुष्णठत
- s दयालु - ननदथय
- s द्ित - अद्ित
- s दूषत - स्छि
- s दुटपाप्य - सुप्राप्य
- s दाखखल - खाररज
- s धिस/नाष- ननमाथण
- s धृटि - विनीत
- s धमथ - अधमथ
- s धनाठ्य - ननधथन
- s धीर - अधीर
- s नशिर - शादित
- s नमक हराम- नमक हलाल
- s नख - वषख
- s नागररक - ग्रामीण
- s ननवषद्ध - विदहत

- s ननंद्य - िंद्य
- s ननगुथण - सगुण
- s ननटचल - चंचल
- s परतंर - स्ितंर
- s नीरस - सरस
- s नादान - समझदार
- s ननडर - कायर
- s नाष्स्तक - आष्स्तक
- s नकद - उधार
- s नीन - प्राचीन
- s ननराभमष - साभमष
- s ननटकाम - सकाम
- s ननमथल - मभलल
- s ननिःस्िर्ी- स्िर्ी
- s नूतन - पुरातन
- s ननष्टिय - सक्रिय
- s नैसधगथक - कृत्रम
- s ननलथज्ज - सलज्ज

TET SUCCESS KEY